# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

## बी. ए. भाषाविज्ञान (ऑनर्स) पाठ्यचर्या (Syllabus)

### सीबीसीएस (CBCS) प्रारूप में

| प्रथम सेमेस्टर | | | |
|---|---|---|---|
| **पाठ्यचर्या प्रकार** | **पाठ्यचर्या** | **क्रेडिट** | **संपर्क कक्षाएँ** |
| आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य | कंप्यूटर अनुप्रयोग | 2 | 30 |
| **मूल पाठ्यक्रम** | **भाषा और भाषाविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **भारतीय भाषा चिंतक** | **2** | **30** |
| ऐच्छिक विषय समूह - 1 | हिंदी/अंग्रेजी/चीनी/जापानी/फ्रेंच/स्पेनिश/संस्कृत/मराठी/उर्दू | 6 | 90 |
| ऐच्छिक विषय समूह - 2 | मानवविज्ञान/मनोविज्ञान/पत्रकारिता एवं जनसंचार/समाजशास्त्र/राजनीति विज्ञान/इतिहास | 6 | 90 |
| **सेमेस्टर-II** | | | |
| आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य | भारतीय संविधान | 2 | 30 |
| **मूल पाठ्यक्रम** | **स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **पाश्चात्य भाषा चिंतक** | **2** | **30** |
| ऐच्छिक विषय समूह - 1 | हिंदी/अंग्रेजी/चीनी/जापानी/फ्रेंच/स्पेनिश/संस्कृत/मराठी/उर्दू | 6 | 90 |
| ऐच्छिक विषय समूह - 2 | मानवविज्ञान/मनोविज्ञान/पत्रकारिता एवं जनसंचार/समाजशास्त्र/राजनीति विज्ञान/इतिहास | 6 | 90 |
| **सेमेस्टर-III** | | | |
| आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य | हिंदी भाषा | 2 | 30 |
| **मूल पाठ्यक्रम** | **हिंदी व्याकरण** | **4** | **60** |
| | **लिपि और उसका भारतीय परिप्रेक्ष्य** | **2** | **30** |
| ऐच्छिक विषय समूह - 1 | हिंदी/अंग्रेजी/चीनी/जापानी/फ्रेंच/स्पेनिश/संस्कृत/मराठी/उर्दू | 6 | 90 |
| ऐच्छिक विषय समूह - 2 | मानवविज्ञान/मनोविज्ञान/पत्रकारिता एवं जनसंचार/समाजशास्त्र/राजनीति विज्ञान/इतिहास | 6 | 90 |
| **सेमेस्टर-IV** | | | |
| आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य | अंग्रेजी/अन्य विदेशी भाषा | 2 | 30 |
| **मूल पाठ्यक्रम** | **रूपविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **हिंदी भाषा की संरचना** | **2** | **30** |
| ऐच्छिक विषय समूह - 1 | हिंदी/अंग्रेजी/चीनी/जापानी/फ्रेंच/स्पेनिश/संस्कृत/मराठी/उर्दू | 6 | 90 |
| ऐच्छिक विषय समूह - 2 | मानवविज्ञान/मनोविज्ञान/पत्रकारिता एवं जनसंचार/समाजशास्त्र/राजनीति विज्ञान/इतिहास | 6 | 90 |
| **सेमेस्टर-V** | | | |
| आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य | भारतीय संस्कृति | 2 | 30 |
| **मूल पाठ्यक्रम** | **वाक्य विन्यास** | **4** | **60** |
| | **अर्थविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **ऐतिहासिक भाषाविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **अनुवादविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **शैलीविज्ञान** | **2** | **30** |
| **सेमेस्टर-VI** | | | |
| आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य | मानवाधिकार | 2 | 30 |
| **मूल पाठ्यक्रम** | **भाषा और कंप्यूटर** | **4** | **60** |
| | **समाजभाषाविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **मनोभाषाविज्ञान** | **4** | **60** |
| | **भाषाशिक्षण** | **4** | **60** |
| | **कोशविज्ञान** | **2** | **30** |

# प्रथम सेमेस्टर

## प्रश्नपत्र 01: भाषा और भाषाविज्ञान (04 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई - 1 भाषा** | | **10** | **05** |
| 1 | भाषा का अर्थ , भाषा की परिभाषा | 02 | 01 |
| 2 | भाषा की विशेषताएं | 03 | 01 |
| 3 | व्यक्ति बोली, बोली, उपभाषा और भाषा | 02 | 02 |
| 4 | वाचिक और लिखित भाषा | 03 | 01 |
| **इकाई - 2 भाषाविज्ञान** | | **15** | **03** |
| 1 | भाषाविज्ञान क्या है? | 02 | 01 |
| 2 | अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान | 02 | 01 |
| 3 | भाषाविज्ञान के अंग (स्वनविज्ञान,स्वनिमविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान अर्थविज्ञान) | 03 | 01 |
| 4 | भाषावैज्ञानिक अध्ययन की दिशाएं - वर्णानात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक | 03 | 02 |
| **इकाई - 3 भाषा के घटक** | | **10** | **05** |
| 1 | स्वनिम | 02 | 01 |
| 2 | रूप और रूपिम | 02 | 01 |
| 3 | शब्द और पद | 02 | 01 |
| 4 | पदबंध, उपवाक्य और वाक्य | 02 | 01 |
| 5 | अर्थ | 02 | 01 |
| **इकाई - 4 भाषा का अन्य विषयों से संबंध** | | **10** | **05** |
| 1 | भाषा और समाज | 03 | 01 |
| 2 | भाषा और मन | 03 | 01 |
| 3 | भाषा और साहित्य | 02 | 01 |
| 4 | भाषा और कंप्यूटर | 02 | 02 |

**संदर्भ ग्रंथ:**


1. Akmajian, A, Richard, D., Farmer, A.K., Harnish, R. M. (2010). Linguistics: An Introduction to Language and communication. New Delhi: PHI.
2. Block, B. & Trager, G. L. (1972). Outline of Linguistic analysis. New Delhi: Munshiram Manoharlal.
3. Bloomfield, L. (2012). Language. Delhi: Motilal Banarasi Das.
4. Chomsky, N. (1986). Knowledge of Language: Its nature, origin, and use. New York: Praeger.
5. David, C. (2010). The Cambridge Encyclopedia of Language. Cambridge: Cambridge University Press.
6. Fromkin, V., & Rodman, R. (1998). An Introduction to Language. 6th edn, Fort Worth: Harcourt Brace.
7. Harnish, R. M., ed. (1994). Basic topics in the philosophy of language. Englewood Cliffs, N.J.: Prentice-Hall.
8. Hymes, D. H., ed. (1964). Language in culture and society. New York: Harper and Row.
9. Jakobson, R., & M. Halle. (1956). Fundamentals of Language, The Hague: Mouton.
10. Jespersen, O. (1924). The philosophy of grammar. London: Allen and Unwin.
11. Jesperson, O. (1968). Language: It's Nature, Development and Origin.Otto, London: Allen and Unwin.
12. Katz, J. (1966). The philosophy of language. New York: Harper and Row.
13 Lyons, J. (1981). Language and Linguistics. London: C.U.P.
14. Owens, R. E. (1984). Language development: An introduction. Columbus, Ohio: Charles E. Merrill Publishing Co.
15. Robins, R. H. (1965). General Linguistics: An Introductory Survey. Bloomington, Indiana University Press.

## प्रश्नपत्र 02: भारतीय भाषा चिंतक (02 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई – 1 संस्कृतकालीन चिंतन और चिंतक** | | **10** | **05** |
| 1 | वैदिक भाषा चिंतन | 02 | 02 |
| 2 | यास्क और निरुक्त | 02 | 01 |
| 3 | मुनित्रय – पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि | 03 | 01 |
| 4 | संस्कृत वैयाकरणिक परंपरा में ध्वनि, शब्द और वाक्य संबंधी प्रमुख अवधारणाएँ | 03 | 01 |
| **इकाई – 2 आधुनिक भारतीय भाषाचिंतक** | | **10** | **05** |
| 1 | प्रमुख भाषा चिंतक – 1. सुनिति कुमार चटर्जी 2. उदय नारायण तिवारी 3. रामकृष्ण गोपाल भंडारकर 4. आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा 5. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव | 05 | 02 |
| 2 | प्रमुख हिंदी वैयाकरण - कामताप्रसाद गुरु, आचार्य किशोरी दास वाजपेयी, सूरजभान सिंह | 05 | 03 |

### संदर्भ ग्रंथ –


1. Culler, J. (1986). Ferdinand de Saussure. 2nd edn, Ithaca, New York: Cornell University Press.
2. Geoffrey, S. (1980). Schools of Linguistics. London: Hutchinson.
3. Jespersen, O. (1924). The philosophy of grammar. London: Allen and Unwin.
4. Kapoor, Kapil. (2010). Dimensions of Panini Grammar.New Delhi : D.K. Printword (P) Ltd.
5. Lyons, J. (1970). Noam Chomsky. New York: Viking Press.
6. Mishra, Vidyaniwas. (1966). The Descriptive Technique of Panini.Mouton.
7. Robins, R.H. (1990). A Short History of Linguistics. London: Longman
8. अयंगार, वी.कृष्णस्वामी . (1981). पाणिनीय व्याकरण प्रवेश. आगरा: उमा मेहरा एंड कंपनी.
9. अय्यर, के.ए.एस. (1991). भर्तृहरि का वाक्य पदीय. जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी.
10. अरस्तू. (2003).काव्यशास्त्र . – अनु. डॉ. नगेंद्र, इलाहाबाद: भारती भंडार.
11. देशपांडे, गणेश त्र्यंबक. (1961). भारतीय साहित्य शास्त्र . बंबई: पापुलर बुक डिपो.
12. मिश्र, विद्यानिवास, विद्यालंकार, अनिल, चतुर्वेदी, माणिकलाल. (1994). भारतीय भाषाशास्त्रीदय चिंतन, जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादेमी.
13. मिश्र, विद्यानिवास. (1978). भारतीय भाषाशास्त्रीलय चिंतन की पीठिका, पटना: बिहार राष्ट्रयभाषा परिषद.
14. मीमांसक, युधिष्ठिर. (?). संस्कृत व्याकरण का इतिहास. वाराणसी: चौखंभा.
15. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1984). भाषाशास्त्रा के सूत्रधार. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.

# द्वितीय सेमेस्टर

## प्रश्नपत्र 1 : स्वनविज्ञान और स्वनिम विज्ञान (Phonetics & Phonology) (4 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई – 1 : स्वनविज्ञान** | | **10** | **05** |
| 1 | स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप | 03 | 02 |
| 2 | स्वनविज्ञान की शाखाएँ | 03 | 02 |
| 3 | वागवयव | 02 | 01 |
| 4 | उच्चारण : स्थान एवं प्रयत्न (Articulation :Place and Manner ) | 02 | |
| **इकाई -2 : खंडीय स्वन** | | **10** | **05** |
| 1 | स्वर : परिभाषा एवं स्वरूप | 02 | 01 |
| 2 | स्वर : वर्गीकरण के विविध आधार | 03 | 02 |
| 3 | व्यंजन : परिभाषा एवं स्वरूप | 03 | 02 |
| 4 | व्यंजन : वर्गीकरण के विविध आधार | 03 | 02 |
| **इकाई – 3 : खंडेतर स्वन** | | **10** | **05** |
| 1 | दीर्घता (Length) | 02 | 01 |
| 2 | बलाघात (Stress) | 03 | 01 |
| 3 | सुर (Pitch) | 02 | 02 |
| 4 | संहिता (Juncture) | 02 | 01 |
| **इकाई- 4 स्वनिमविज्ञान (Phonology)** | | **10** | **05** |
| 1 | स्वनविज्ञान बनाम स्वनिमविज्ञान (Phonetics vs. Phonemics) | 05 | 03 |
| 2 | स्वनिम, स्वन एवं संस्वन (Phoneme, Phone and Allophone) | 05 | 02 |
| 3 | स्वनिम और संस्वन निर्धारण | 04 | 01 |

## प्रश्नपत्र 02 : पाश्चात्य भाषा चिंतक (02 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई – I पश्चिम में भाषा चिंतन का उद्भव** | | **10** | **05** |
| 1 | ग्रीक, रोमन चिंतन और प्रमुख दार्शनिकों (प्लेटो, अरस्तू) के मत | 02 | 01 |
| 2 | मध्यकाल और नवजागरणकाल | 03 | 01 |
| 3 | नववैयाकरण | 02 | 01 |
| 4 | सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय | 03 | 01 |
| **इकाई – II आधुनिक भाषाविज्ञान : विविध संप्रदाय** | | **10** | **05** |
| 1 | संरचनात्मक भाषाविज्ञान के संप्रदाय और ब्लूमफील्ड | 02 | 01 |
| 2 | प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान के संप्रदाय | 03 | 01 |
| 3 | लंदन संप्रदाय | 03 | 01 |
| 4 | चॉम्स्की और रूपांतरक प्रजनक व्याकरण | 02 | 01 |

**संदर्भ सूची**

1. तिवारी, भोलानाथ (1993) आधुनिक भाषाविज्ञान,
2. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ (1984) भाषाशास्त्र के सूत्रधार. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस

# तृतीय सेमेस्टर

## प्रश्नपत्र : हिंदी भाषा (अनिवार्य प्रश्नपत्र 02 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई 01: हिंदी भाषा :विविध पक्ष** | | **10** | **05** |
| 1 | **ऐतिहासिक:** हिंदी भाषा का उद्भव और विकास | 02 | 01 |
| 2 | **भौगोलिक:** हिंदी की बोलियाँ और उनका क्षेत्र | 02 | 01 |
| 3 | **प्रसारात्मक :** हिंदी का मानकीकरण एवं आधुनिकीकरण | 02 | 01 |
| 4 | **प्रकार्यात्मक:** राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा एवं विश्वभाषा | 02 | 01 |
| 5 | **संवैधानिक:** राजभाषा अधिनियम | 02 | 01 |
| **इकाई 02: हिंदी भाषा : स्वरूप और प्रयोग** | | **10** | **05** |
| 1 | हिंदी वर्णमाला , हिंदी वर्तनी | 02 | 01 |
| 2 | संधि और समास | 02 | 01 |
| 3 | हिंदी का शब्दभंडार | 02 | 01 |
| 4 | हिंदी वाक्य (उद्देश्य, विधेय, अन्विति आदि) | 02 | 01 |
| 5 | आलेखन, टिप्पण, पत्राचार एवं पारिभाषिक शब्दावली | 02 | 01 |

**संदर्भ-ग्रंथ**


1. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
2. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
4. बाहरी , हरदेव (2010). *हिंदी भाषा*, इलाहाबाद , अभिव्यक्ति प्रकाशन.
5. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.
6. दास, ठाकुर (2007) कार्यालयीन हिंदी, जनवाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. भाटिया, कैलाशचंद्र , प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप (2005), तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली


## प्रश्नपत्र 01: हिंदी व्याकरण (04 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई 01: स्वर एवं व्यंजन** | | **10** | **05** |
| 1 | स्वर ध्वनियाँ - ह्रस्व, दीर्घ एवं प्लुत स्वर | 05 | 02 |
| 2 | व्यंजन ध्वनियाँ - वर्गीय ध्वनियाँ, वर्गीय ध्वनियों में घोषत्व एवं प्राणत्व,अंतस्थ ध्वनियाँ, ऊष्म ध्वनियाँ | 05 | 03 |
| **इकाई 02: संधि एवं समास** | | **10** | **05** |
| 1 | संधि की परिभाषा | 05 | 02 |
| 2 | संधि के प्रकार - स्वर संधि, व्यंजन संधि , विसर्ग संधि | | |
| 3 | समास की परिभाषा | **10** | **05** |
| 4 | समास के प्रकार - द्वंद्व समास , द्विगु समास, तत्पुरुष समास, कर्मधारय समास, बहुव्रीहि समास, अव्ययीभाव समास | | |
| **इकाई 03: शब्द संरचना** | | **10** | **05** |
| 1 | शब्द एवं पद | 02 | 01 |
| 2 | उपसर्ग | 03 | 01 |
| 3 | प्रत्यय - कृदंत प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, स्त्रीवाची प्रत्यय, पुरुषवाची प्रत्यय | 05 | 03 |
| **इकाई 04: वाक्य के घटक** | | **10** | **05** |
| 1 | उद्देश्य एवं विधेय | 01 | 02 |
| 2 | वाक्य की आवश्यकता – योग्यता, आकांक्षा, सन्निधि | 02 | 01 |
| 3 | वाक्य के प्रकार | 04 | 01 |
| 4 | वाक्य और अन्विति | 03 | 01 |

**संदर्भ-ग्रंथ**


1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन.
3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
4. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
5. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
6. वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). *हिंदी शब्दानुशासन*. काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर.
9. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार.
10. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company.
11. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield, USA: Dunwoody Press.
12. McGregor, R. S. (1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi: OUP.
13. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.


## प्रश्नपत्र 02. लिपि और उसका भारतीय परिप्रेक्ष्य (02 क्रेडिट)

| क्रम | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई -1 : लिपि : स्वरूप और विकास** | | **10** | **05** |
| 1 | लिपि : परिभाषा एवं स्वरूप | 02 | 01 |
| 2 | लिपि का उद्भव और विकास | 02 | 02 |
| 3 | लिपि के प्रकार- चित्रलिपि, भावलिपि, सूत्रलिपि, आक्षरिक लिपि और वर्णनात्मक लिपि | 03 | 01 |
| 4 | लिपि और भाषा का अंत:संबंध | 03 | 01 |
| **इकाई-2 : लिपि : भारतीय परिप्रेक्ष्य** | | **10** | **05** |
| 1 | प्राचीन भारतीय लिपियाँ – खरोष्ठी, ब्राह्मी | 02 | 01 |
| 2 | देवनागरी परिचय | 02 | 02 |
| 3 | देवनागरी लिपि : सुधार एवं मानकीकरण | 03 | 01 |
| 4 | स्वनिक लिप्यंकन | 03 | 01 |

# चतुर्थ सेमेस्टर

## प्रश्नपत्र 01. रूपविज्ञान (Morphology) (04 क्रेडिट)

| क्रम | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई -1 : रूपविज्ञान : परिचय** | | **10** | **05** |
| 1 | रूपविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप | 02 | 01 |
| 2 | रूपविज्ञान की शाखाएँ<br>1. व्युत्पादक रूपविज्ञान : शब्द रचना, 2. रूपसाधक रूपविज्ञान : पद रचना | 08 | 04 |
| **इकाई – 2 रूपिम, रूप और संरूप** | | **10** | **05** |
| 1 | रूपिम : अवधारणा | 02 | 01 |
| 2 | रूपिम, रूप और संरूप | 02 | 01 |
| 3 | रूपिम के प्रकार | 03 | 02 |
| 4 | रूपिम और शब्द | 03 | 01 |
| **इकाई – 3 शब्द और शब्दांश** | | **10** | **05** |
| 1 | मूल शब्द (धातु, प्रातिपादिक) | 02 | 01 |
| 2 | उपसर्ग, मध्यसर्ग | 02 | 01 |
| 3 | प्रत्यय | 03 | 02 |
| 4 | शब्द और शब्दरूप (पद) | 03 | 01 |
| **इकाई – 4 शब्दवर्ग और व्याकरणिक कोटियां** | | **10** | **05** |
| 1 | शब्दवर्ग | 05 | 03 |
| 2 | व्याकरणिक कोटियां | 05 | 02 |

## प्रश्नपत्र 02 : हिंदी भाषा की संरचना (02 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई 01: हिंदी भाषा की ध्वनि एवं संरचना** | | **10** | **05** |
| 1 | हिंदी की ध्वनियाँ और उनका वर्गीकरण | 03 | 02 |
| 2 | हिंदी की अक्षर संरचना | 03 | 01 |
| 3 | प्रत्ययीकरण | 02 | 01 |
| 4 | समासीकरण | 02 | 01 |
| **इकाई 02: हिंदी भाषा की रूप एवं वाक्य संरचना** | | **10** | **05** |
| 1 | हिंदी संज्ञा के कारकीय एवं बहुवचन रूप | 03 | 02 |
| 2 | हिंदी क्रिया, लिंग, वचन, पुरूष | 02 | 01 |
| 3 | हिंदी पदबंध : संरचना और प्रकार | 03 | 01 |
| 4 | हिंदी वाक्य : संरचना और प्रकार | 02 | 01 |

**संदर्भ-ग्रंथ**


1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन.
3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
4. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
5. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
6. वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). *हिंदी शब्दानुशासन*. काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर.
9. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार.
10. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company.
11. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield, USA: Dunwoody Press.
12. McGregor, R. S. (1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi: OUP.
13. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.

# पंचम सेमेस्टर

## प्रश्नपत्र 01: वाक्य विन्यास (Syntax) (04 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई -1 : वाक्य : परिचय** | | **10** | **05** |
| 1 | वाक्य की परिभाषा | 02 | 02 |
| 2 | वाक्य के अंग (उद्देश्य, विधेय) | 02 | 01 |
| 3 | वाक्य के प्रकार (अल्पांग वाक्य, पूर्ण वाक्य, सरल वाक्य, मिश्र वाक्य संयुक्त वाक्य) | 03 | 01 |
| 4 | वाक्य युक्तियाँ | 03 | 01 |
| **इकाई – 2 वाक्य रचना के तत्व** | | **10** | **05** |
| 1 | पद, पदबंध और उपवाक्य | 03 | 01 |
| 2 | क्रिया और कारकीय संबंध | 03 | 01 |
| 3 | अर्थ-संगति | 02 | 02 |
| 4 | वाक्य रचना और अध्याहार | 02 | 01 |
| **इकाई – 3 सरल वाक्य** | | **10** | **05** |
| 1 | सरल वाक्य की परिभाषा | 02 | |
| 2 | सरल वाक्य के अनिवार्य एवं ऐच्छिक घटक | 02 | 01 |
| 3 | सरल वाक्य के प्रकार ( बीज वाक्य, रूपांतरित वाक्य, नकारात्मक, प्रश्नवाचक आदि) | 03 | 03 |
| 4 | सरल वाक्य का विस्तार | 03 | 01 |
| **इकाई – 4 मिश्र एवं संयुक्त वाक्य** | | **10** | **05** |
| 1 | मिश्रवाक्य की परिभाषा | 02 | |
| 2 | मिश्रवाक्य के घटक<br>1. मुख्य उपवाक्य 2. मुख्य उपवाक्य 3. आश्रित उपवाक्य 4. आश्रित उपवाक्य के प्रकार (संज्ञा उपवाक्य, विशेषण उपवाक्य, क्रियाविशेषण उपवाक्य) | 03 | 03 |
| 3 | संयुक्त की परिभाषा | 02 | |
| 4 | संयुक्त वाक्य के प्रकार (योजक, नियोजक, विपरीतार्थक, कारणसूचक , परिणामसूचक | 03 | 02 |

## प्रश्नपत्र 02 : अर्थविज्ञान (Semantics) (04 क्रेडिट)

| क्रम | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई - 1 अर्थ : विविध आयाम** | | **10** | **05** |
| 1 | अर्थ की संकल्पना | 02 | 01 |
| 2 | अर्थ के प्रकार – वर्णनात्मक, भावात्मक और संवेगात्मक | 03 | 01 |
| 3 | आशय एवं प्रसंग | 02 | 02 |
| 4 | वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ | 03 | 01 |
| **इकाई – 1 अर्थ विज्ञान** | | **10** | **05** |
| 1 | पर्यायता (Synonymy ) | 02 | 01 |
| 2 | अनेकार्थता (Polysemy) | 02 | 01 |
| 3 | विलोमता (Antonymy) | 02 | 01 |
| 4 | समनामता ( Homonymy) | 02 | 01 |
| 5 | अधिनामिता और अवनामिता (Hypernymy & Hyponymy) | 02 | 01 |
| **इकाई – 3 अर्थ प्रतिपादन के स्तर** | | **10** | **05** |
| 1 | शब्द ( Word) | 02 | 01 |
| 2 | प्रकृति और प्रत्यय (Base and Suffix) | 02 | 01 |
| 3 | बहुशब्द अभिव्यक्तियां (Multiple Word Expressions) | 02 | 01 |
| 4 | वाक्य | 02 | 01 |
| 5 | प्रोक्ति और पाठ (Discourse and Text) | 02 | 01 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **इकाई – 4 अर्थ का संकेतप्रयोगवैज्ञानिक पक्ष** | | **10** | **05** |
| 1 | पूर्वमान्यता ( Presupposition) | 02 | 02 |
| 2 | अनुलग्नता (Entailment) | 03 | 01 |
| 3 | निहितार्थ (Implicature) | 02 | 01 |
| 4 | वाक् घटनाएं (Speech Acts) | 03 | 01 |

**lnHk xFk %&**


1. Hkk;kukFk frokjh] fgnh Hkk"kk dh vkFkh ljpuk
2. Stephen C. Levinson, Pragmatics
3. Leech, Geoffrey (1974) *Semantics*, London, Penguin.
4. Matthews Peter (1979) *Generative Grammar and Linguistic Competence*, London, Allen & Unwin.
5. Matthews Peter (1981) *Syntax*, Cambridge, Cambridge University Press.
6. Palmer Frank (1976) . *Semantics: A New Outline*, Cambridge, Cambridge University Press.
7. Wierzbicka, Anna (1996) *Semantics: Primes and Universals*, Oxford, Oxford University Press.
8. Fodor, J.D. 1977. Semantics: Hillsdale, N.J. : Lawrence Erlbaum Associates.
9. Fodor, J. D. 1977. Semantics : Theories of meaning in generative grammar. New York : Crowell.
10. Jackendoff, R. 1972. Semantic interpretation in generative grammar. Cambrideg, Mass.: MIT Press.
11. Kempson, R. 1977. Semantic theory. Cambridge: Cambridge University Press.
12. Lehrer, K., and A. Lehrer, eds. 1970. Theory of meaning. Englewood Cliffs, N.J. : prentice-Hall.
13. Lepore, E., ed. 1987. New directions in semantics. New York : Academic Press.
14. Lyons, J. 1977. Semantics. 2 vols. Cambridge: Cambridge University Press.
15. Platts, M. 1979, Ways of meaning. London: Routledge and Kegan Paul.
16. Schiffer, S. 1988. Meaning. 2nd ed. Oxford : Oxford University Press.
17. Miller, G., and P. Johnson-Laird. 1976. Language and perception. Cambridge, Mass.: Harvard University Press.


## प्रश्नपत्र 03: ऐतिहासिक भाषाविज्ञान (Historical Linguistics) (04 क्रेडिट)

| क्रम | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई - 1 वैचारिक पृष्ठभूमि और अध्ययन के स्रोत** | | **10** | **05** |
| 1 | ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का परिचय | 02 | 01 |
| 2 | समकालिक एवं कालक्रमिक दृष्टिकोण | 02 | 01 |
| 3 | भाषा का कालक्रमिक विकास | 03 | 01 |
| 4 | भाषा की परिवर्तनशीलता : अध्ययन की विधि और स्रोत | 03 | 02 |
| **इकाई – 2 भाषा परिवर्तन की नियमितता और परिवर्तन के नियम** | | **10** | **05** |
| 1 | नव्य वैयाकरण | 05 | 03 |
| 2 | ग्रिम एवं वर्नर के नियम | 05 | 02 |
| **इकाई – 3 भाषा परिवर्तन – कारण और प्रकार** | | **10** | **05** |
| 1 | ध्वनि परिवर्तन | 03 | 02 |
| 2 | रूप परिवर्तन | 03 | 01 |
| 3 | वाक्य परिवर्तन | 02 | 01 |
| 4 | अर्थ परिवर्तन | 02 | 01 |
| **इकाई – 4 ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की विशिष्ट विधियां एवं अध्ययन क्षेत्र** | | **10** | **05** |
| 1 | शब्दसांख्यिकी (Lexicostatistics) | 03 | 01 |
| 2 | आंतरिक पुनर्रचना (Internal Reconstruction) | 03 | 01 |
| 3 | तुलनात्मक पुनर्रचना (Comparative Reconstruction) | 02 | 02 |
| 4 | भाषा आदान | 02 | 01 |

## प्रश्नपत्र 04: अनुवादविज्ञान (04 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई – I** | **अनुवाद : स्वरूप एवं प्रकृति** | **10** | **05** |
| 1 | अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप | 02 | 01 |
| 2 | अनुवाद : क्षेत्र और प्रकृति | 02 | 02 |
| 3 | अनुवाद के प्रकार | 03 | 01 |
| 4 | अनुवाद में समतुल्यता | 03 | 01 |
| **इकाई – 2** | **अनुवाद के विभिन्न सोपान** | **10** | **05** |
| 1 | पाठ-पठन | 02 | 02 |
| 2 | विश्लेषण | 02 | 01 |
| 3 | अंतरण | 03 | 01 |
| 4 | पुनर्गठन | 03 | 01 |
| **इकाई – 3** | **अनुवाद : विविध पक्ष** | **10** | **05** |
| 1 | अनुवाद का भाषावैज्ञानिक पक्ष | 03 | 01 |
| 2 | अनुवाद का सामाजिक पक्ष | 02 | 02 |
| 3 | अनुवाद का सांस्कृतिक पक्ष | 03 | 01 |
| 4 | अनुवाद का तकनीकी पक्ष | 02 | 01 |
| **इकाई – 4** | **अनुवाद समीक्षा** | **10** | **05** |
| 1 | अनुवाद पुनरीक्षण | 03 | 02 |
| 2 | अनुवाद संपादन | 02 | 01 |
| 3 | अनुवाद मूल्यांकन | 03 | 01 |
| 4 | अनुवादनीयता एवं अननूदयता | 02 | 01 |

**संदर्भ ग्रंथ:**


1. Catford, J.C. (1965). A *Linguistic Theory of Translation*. London: Oxford University Press.
2. Cronin, M. (2003). *Translation and Globalization*. London: Routledge
3. Newmark, P. (1981). *Approches to Translation*. Oxford: Pergamon Press.
4. Nida, E.A. & Taber, C. R. (1982). *The Theory and Practice of Translation*. London: Brill.
5. Nida, E.A. (1964). *Toward a Science of Translating*. Leiden: Brill.
6. Nirenburg, S. (1987). *Machine Translation: Theoretical & Methodological Issues*. Cambridge: Cambridge Uni. Press.
7. Vennti, L. (2000). *The Translation Studies Reader*. London: Routledge.
8. कुमार , सुरेश. (1986). *अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
9. गोपीनाथन, जी. (?). *अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग*. दिल्ली: लोकभारती.
10. गोस्वामी, कृष्णकुमार, और श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ. (1985). *अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ*. दिल्ली: आलेख प्रकाशन.
11. सिंह, दिलीप. और शर्मा, ऋषभदेव (सं.). (2009). *अनुवाद का सामयिक परिप्रेक्ष्य*. चेन्नै: द.भा.हिं.प्र. सभा.
12. सिंह, सूरजभान. (2006). *अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण*. दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.


## प्रश्नपत्र 05: शैलीविज्ञान (02 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यू. |
|---|---|---|---|
| **इकाई 01:** | **शैली और शैलीविज्ञान** | **10** | **05** |
| **1** | शैली : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप (सामान्य भाषा और साहित्य भाषा) | 03 | 02 |
| **2** | शैली की संकल्पना - 1. बर्हिर्निष्ठ और अंतर्निष्ठ शैली 2. शैली और विधा | 03 | 01 |
| **3** | शैलीविज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र और स्वरूप | 02 | 01 |
| **4** | शैलीवैज्ञानिक समीक्षा | 02 | 01 |
| **इकाई 02:** | **शैली के प्रतिमान** | **10** | **05** |
| **1** | अग्रप्रस्तुति - 1.विचलन 2. समानांतरता 3. विपथन 4. विरलता | 03 | 02 |
| **2** | शैलीचिह्नक | 02 | 01 |

# षष्ठ सेमेस्टर

## प्रश्नपत्र 01: कंप्यूटर और भाषा (04 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई – 1 कंप्यूटर : संरचना एवं अनुप्रयोग** | | **10** | **05** |
| 1 | कंप्यूटर : इनपुट, प्रोसेसिंग, आउटपुट | 02 | 01 |
| 2 | हार्डवेयर, सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर | 03 | 01 |
| 3 | कंप्यूटर परिचालन : एम.एस. ऑफिस और अन्य | 02 | 01 |
| 4 | कंप्यूटर और इंटरनेट | 03 | 01 |
| **इकाई – 2 कंप्यूटर और प्राकृतिक भाषा संसाधन** | | **10** | **05** |
| 1 | मानव भाषा और मशीनी भाषा | 02 | 01 |
| 2 | मानव मशीन अंतरक्रिया | 03 | 01 |
| 3 | प्राकृतिक भाषा संसाधन : स्वरूप | 03 | 01 |
| 4 | प्राकृतिक भाषा संसाधन : आवश्यकता और उद्देश्य | 02 | 01 |
| **इकाई – 3 प्राकृतिक भाषा संसाधन के प्रमुख अनुप्रयोग क्षेत्र** | | **10** | **05** |
| 1 | मशीनी अनुवाद (MT) | 02 | 01 |
| 2 | सूचना प्रत्यानयन (IR) | 03 | 01 |
| 3 | प्रकाशिक अक्षर अभिज्ञान (OCR), लिप्यंतरण (Automatic Transliteration), पाठ सारांशीकरण (Automatic Text Summarization) | 02 | 01 |
| 4 | कंप्यूटर साधित भाषा शिक्षण (CALT) | 03 | 01 |
| 5 | कृत्रिम बुद्धि (AI) | | |
| **इकाई – 4 कंप्यूटर में भाषा संसाधन के घटक** | | **10** | **05** |
| 1 | डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली | 02 | 01 |
| 2 | प्रोग्रामिंग | 03 | 01 |
| 3 | एल्गोरिद्म, फ्लोचार्ट | 03 | 01 |
| 4 | संगणकीय शब्दकोश और कार्पस | 02 | 01 |

## प्रश्नपत्र 02 : समाजभाषाविज्ञान (04 क्रेडिट)

| क्र.स. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई –1 समाजभाषाविज्ञान** | | **10** | **05** |
| 1 | समाजभाषाविज्ञान का स्वरूप | 01 | 01 |
| 2 | भाषाविज्ञान और समाजभाषाविज्ञान | 02 | 01 |
| 3 | भाषा का सामाजिक संदर्भ | 02 | 01 |
| 4 | भाषा का समाजशास्त्र बनाम समाज भाषाविज्ञान | 05 | 02 |
| **इकाई -2 समाज भाषाविज्ञान की अवधारणा एवं प्रकृति** | | **10** | **05** |
| 1 | भाषा और समाज | 02 | 01 |
| 2 | भाषा, समाज और वैविध्य | 02 | 01 |
| 3 | व्यक्तिबोली, भाषा-बोली, मानक भाषा, सामाजिक बोलियां , शैलियां, प्रयुक्तियां, अपभाषा | 01 | |
| **इकाई – 3 भाषा संपर्क** | | **10** | **05** |
| 1 | कोड मिश्रण और कोड परिवर्तन | 02 | 01 |
| 2 | पिजिन, क्रियोल, पिजिन-क्रियोलीकरण | 03 | 01 |
| 3 | भाषाद्वैत (Diglocsia) | 03 | 02 |
| 4 | द्विभाषिकता और बहुभाषिकता | 02 | 01 |
| **मॉड्यूल- 4 भाषा नीति और नियोजन** | | **10** | **05** |
| 1 | नीति निर्धारण : शिक्षा, प्रशासन, प्रौद्योगिकी आदि के संदर्भ में | 01 | 01 |
| 2 | भाषाविकास (आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण), लिपि, तकनीकी शब्दावली, | 02 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | साक्षरता आदि के संदर्भ में | | |

## प्रश्नपत्र 03 : मनोभाषाविज्ञान (Psycholinguistics) (04 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई – 1 मनोविज्ञान एवं भाषाविज्ञान** | | **10** | **05** |
| 1. | मनोविज्ञान : अर्थ और परिभाषा | 02 | 02 |
| 2. | भाषा : परिभाषा और अभिलक्षण | 02 | 01 |
| 3. | मानव भाषा और मानवेतर संकेत प्रणालियाँ | 03 | 01 |
| 4. | मनोभाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास | 03 | 01 |
| **इकाई -2 भाषा उत्पादन एवं भाषा अर्जन** | | **10** | **05** |
| 1. | भाषा उत्पादन | 02 | 02 |
| 2. | भाषा अर्जन | 02 | 01 |
| 3. | बालभाषा का विकास और बालभाषा के अंग | 03 | 01 |
| 4. | भाषा अर्जन के प्रमुख सिद्धांत | 03 | 01 |
| **इकाई – 3 भाषा अर्जन एवं भाषा अधिगम प्रक्रिया-1** | | **10** | **05** |
| 1. | प्रत्यक्ष ज्ञान और भाषा | 02 | 01 |
| 2. | संवेदना, स्मृति और कल्पना तथा इनकी भाषा अर्जन में भूमिका | 03 | 01 |
| 3. | संप्रत्यय निर्माण और संप्रत्यय अधिगम की प्रक्रियाएँ | 03 | 02 |
| 4. | भाषा और विचार | 02 | 01 |
| **इकाई - 4 भाषा अर्जन एवं भाषा अधिगम प्रक्रिया-2** | | **10** | **05** |
| 1. | संज्ञानात्मक कोटियाँ (संख्या, वचन, नकारत्व इ.) और सामाजिक कोटियाँ (संबंध, लिंग) | 02 | 02 |
| 2. | भाषा अधिगम के सिद्धांत | 02 | 01 |
| 3. | व्यक्तित्व : परिभाषा और निर्धारक तत्व | 03 | 01 |
| 4. | व्यक्तित्व और भाषा | 03 | 01 |

## प्रश्नपत्र 04 : भाषा शिक्षण (Language Teaching) (04 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई – 1 भाषाशिक्षण : अर्थ और स्वरूप** | | **10** | **05** |
| 1 | भाषाशिक्षण से अभिप्राय | 02 | 01 |
| 2 | भाषा शिक्षण के उद्देश्य | 03 | 01 |
| 3 | प्रथम, द्वितीय एवं विदेशी भाषा शिक्षण | 03 | 01 |
| 4 | मातृभाषा व्याघात | 02 | 02 |
| **इकाई – 2 भाषा कौशल एवं उनका विकास** | | **10** | **05** |
| 1 | श्रवण | 02 | 01 |
| 2 | भाषण | 02 | 01 |
| 3 | वाचन (पठन) | 03 | 01 |
| 4 | लेखन | 03 | 02 |
| **इकाई – 3 भाषा शिक्षण की विधियां** | | **10** | **05** |
| 1 | व्याकरण अनुवाद विधि | 03 | 01 |
| 2 | प्रत्यक्ष विधि | 03 | 01 |
| 3 | संरचनात्मक विधि | 02 | 01 |
| 4 | संप्रेषणात्मक विधि | 02 | 02 |
| **इकाई – 4 भाषा शिक्षण प्रक्रिया** | | **10** | **05** |
| 1 | शिक्षण सामग्री निर्माण | 03 | 01 |
| 2 | पाठ नियोजन और शिक्षण | 03 | 01 |
| 3 | भाषा शिक्षण में सहायक सामग्री | 02 | 01 |
| 4 | परीक्षण और मूल्यांकन | 02 | 02 |

## प्रश्नपत्र 05: कोशविज्ञान (02 क्रेडिट)

| क्र.सं. | विषय | अध्यापन | ट्यूटोरियल |
|---|---|---|---|
| **इकाई – 1 कोश और कोशविज्ञान** | | **10** | **05** |
| 1 | कोश : अर्थ और परिभाषा | 02 | 01 |
| 2 | कोशों के प्रकार | 04 | 02 |
| 3 | कोशविज्ञान : अर्थ एवं परिभाषा | 02 | 01 |
| 4 | कोशविज्ञान और कोशकला (Lexicology & Lexicography) | 02 | 02 |
| **इकाई – 2 कोश निर्माण, कोशावलोकन** | | **10** | **05** |
| 1 | कोश निर्माण : पूर्वनियोजन, आकार, प्रकार का निर्धारण, प्रविष्टि के स्वरूप का निर्धारण | 03 | 02 |
| 2 | कोश निर्माण प्रक्रिया (सामग्री संकलन, प्रविष्टि चयन, टंकण और मुद्रण) | 03 | 01 |
| 3 | कोशावलोकन की विधि | 02 | 01 |
| 4 | अंग्रेजी और हिंदी के कुछ प्रमुख कोश | 02 | 01 |